AMAR UJALA MY CITY Page 5 & 6

साइबर लाइब्रेरी ने पकड़ी रफ्तार, लॉकडाउन में दोगुने हुए यूजर

लविवि में दो करोड़ की लागत से सितंबर 2019 में बनी है साइबर लाइब्रेरी

सचिन त्रिपाठी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की साइबर लाइब्रेरी अब रफ्तार पकड़ रही है। लॉकडाउन की अवधि में इसके उपयोगकर्ताओं की संख्या दोगुनी हो गई है। सितंबर 2019 में साइबर लाइब्रेरी की स्थापना के बाद से फरवरी 2020 तक छह महीने में इससे करीब 1400 यूजर ही जुड़े थे। लॉकडाउन के शुरुआती दिनों में भी कोई विशेष तेजी नहीं दिखी, लेकिन अब इसमें लगातार तेजी आ रही है।

लॉकडाउन की अवधि में ही इससे करीब 3500 यूजर जुड़ चुके हैं। लविवि में करीब दो करोड़ रुपये की लागत से टैगोर केंद्रीय पुस्तकालय के बगल में साइबर लाइब्रेरी का नया भवन बनाया गया है। इस लाइब्रेरी के लिए दो साल में करीब तीन करोड़ रुपये का ई-कंटेंट खरीदा गया है। इस तरह अब तक इस लाइब्रेरी पर पांच करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इस लाइब्रेरी की खासियत इसकी रिमोट पहुंच है। मतलब लविवि के शिक्षक और विद्यार्थी लाइब्रेरी आए बिना ही इसका उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए लविवि शिक्षक और विद्यार्थी दोनों की लॉग इन आईडी बनवा रहा है।

लॉकडाउन से पहले इसमें ज्यादा तेजी नहीं दिखाई पड़ रही थी। लविवि ने लॉकडाउन के दौरान ई-कंटेंट पर काफी जोर दिया है। ऑनलाइन कक्षायें करने के लिए भी कई विभागों में होड़ दिखाई दी। शुरुआत में सायबर लाइब्रेरी के लिए उत्साह थोड़ा कम दिखाई दिया। अब इसके उपयोगकर्ता तेजी से बढ़ रहे हैं। सितंबर 2109 से फरवरी 2020 तक इसके उपयोगकर्ताओं की संख्या 1409 थी। मार्च से अब तक इससे करीब 3500 उपयोगकर्ता और जुड़ गए हैं।

डिग्री कॉलेज तक पहुंचाने की है योजना

लविवि की साइबर लाइब्रेरी से शुरुआती दौर में सिर्फ लविवि परिसर के शिक्षक और विद्यार्थियों को ही जोड़ा जा रहा है। अगले चरण में इससे कॉलेज के विद्यार्थियों को भी जोड़ा जाएगा। लविवि की मंशा सभी विद्यार्थियों को उनके मोबाइल फोन पर ई-सामग्री उपलब्ध कराने की है। कालेजों की लाइब्रेरी इतनी उन्नत नहीं है। लविवि की उन्नत लाइब्रेरी का उपयोग करके कॉलेज के विद्यार्थी भी ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

नए सत्र में और बढ़ेंगे यूजर

लॉकडाउन की अवधि में साइबर लाइब्रेरी पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसलिए यह संख्या अचानक बढ़ गई है। विद्यार्थियों की समझ में भी आया है कि इसका उपयोग उनके लिए कितना लाभदायक है। इसके उपयोगकर्ता अभी भी कम हैं। नए सत्र में इसके उपयोगकर्ताओं की संख्या में और भी बढ़ोतरी होगी। - **डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव**
प्रवक्ता, लविवि

होम ट्यूशन के बजाए ऑनलाइन पर जोर

योग संस्थान लखनऊ विश्वविद्यालय के को-आर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव बताते हैं कि इस वक्त छह फीट की दूरी अहम स्थान रखती है। संस्थान के 110 स्टूडेंट्स की ट्रेनिंग ऑनलाइन चल रही है। इसके अलावा संस्थान यूट्यूब चैनल के जरिए प्रशिक्षण दे रहा है। फिलहाल ट्यूशन ऑनलाइन ही चल रही है। काउंसलिंग भी ऑनलाइन है। संस्थान की ओर से हफ्ते में दो दिन निशुल्क ऑनलाइन ट्रेनिंग दी जा रही है, जो जून तक चलेगी। इसी तरह निशुल्क परामर्श भी दिया जा रहा है। योग प्रशिक्षक प्रशांत शुक्ला कहते हैं कि हमने इंस्टीट्यूट बंद रखा है, योग क्लास ऑनलाइन ही चल रही है।